डाक पंजीयन क्रमांक-म.प्र./भोपाल/357/2015-17

मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

हिन्दी/पाक्षिक

● वर्ष 60 ● अंक 24 ● भोपाल ● 16-31 मई, 2017 ● पृष्ठ 8 ● एक प्रति 7 रु. ● वार्षिक शुल्क 150/- ● आजीवन शुल्क 1500/-

मार्कफेड फर्टिलाइजर गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला बनायेगा

सहकारिता राज्य मंत्री द्वारा फेडरेशन के कार्यक्रमों की समीक्षा

भोपाल। एम.पी. स्टेट को-ऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन एसएसपी और अन्य उर्वरकों की गुणवत्ता जाँचने के लिये प्रयोगशाला बनायेगा। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री विश्वास सारंग ने प्रबंध संचालक मार्कफेड को प्रयोगशाला स्थापित करने का प्रस्ताव विभाग को देने के लिये कहा। मंत्री श्री सारंग फेडरेशन मुख्यालय में कार्यक्रमों की समीक्षा कर रहे थे। चेयरमेन मार्कफेड श्री रमाकांत भार्गव, प्रमुख सचिव सहकारिता श्री अजीत केसरी, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएँ श्री कविन्द्र कियावत और एम.डी. मार्कफेड श्री ज्ञानेश्वर पाटिल मौजूद थे।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि एसएसपी और अन्य उर्वरक की गुणवत्ता की वैज्ञानिक वस्तुनिष्ठता के साथ जाँच प्रयोगशाला मार्कफेड बनाये। मार्कफेड को प्रयोगशाला स्थापित करने के लिये प्रमुख सचिव द्वारा राशि उपलब्ध करवाने की बात कही। एम.डी. श्री पाटिल को जल्दी प्रस्ताव देने के लिये कहा गया। इससे उर्वरक के सेम्पल बाहर की प्रयोगशाला में भेजने पर होने वाला विलंब नहीं होगा।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मार्केटिंग सोसायटियों को सशक्त बनाया जाये। उन्होंने कहा कि गेहूँ उपार्जन की गतिविधि से आगे बढ़कर सोसायटियों को ओपन मार्केट प्लेयर के मुकाबले में खुद को खड़ा रहने के लिये मजबूत बनाये। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खाद, कृषि यंत्र आदि के साथ अन्य कमोडिटी के क्षेत्र में भी सोसायटियाँ विपणन का काम करें। उन्होंने कहा कि घरेलू गैस उपभोक्ताओं में मौजूद संभावनाओं को ध्यान में रखकर इस क्षेत्र में सोसायटियों को आगे लाने की बात कही। मंत्री श्री सारंग ने कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान कहा कि गुड गवर्नेंस में बाधा बनने वाली पुराने नियम-परम्पराओं को बदलने की पहल करने में हिचकिचाहट नहीं होना चाहिये।

सभी हाउसिंग सोसायटियों को ऑडिट कराना होगा

सहकारिता राज्य मंत्री श्री सारंग द्वारा अपेक्स बैंक कार्यालय का निरीक्षण

भोपाल। सभी हाउसिंग सोसायटियों को रिकार्ड का ऑडिट करना होगा। जरूरी हुआ तो को-आपरेटिव सोसायटी एक्ट में संशोधन करेंगें। सहकारिता राज्य मंत्री श्री विश्वास सारंग ने यह बात कही। मंत्री श्री सारंग एपेक्स बैंक कार्यालय का निरीक्षण कर रहे थे। प्रमुख सचिव सहकारिता श्री अजीत केसरी, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएँ श्री कविन्द्र कियावत, एम.डी. अपेक्स बैंक श्री प्रदीप नीखरा और उप सचिव श्री प्रकाश खरे इस अवसर पर मौजूद थे।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि पिछले वर्षों में हाउसिंग सोसायटी द्वारा अपने रिकार्ड के ऑडिट कराने में काफी प्रगति दर्ज हुई है। इसके बावजूद ऐसी सोसायटी जो ऐनकेन तरीके से ऑडिट को टालना चाहती है उनको भी ऑडिट समय पर कराना होगा। इसके लिए सख्त कानूनी प्रावधान करेंगें। जरूरी हुआ तो को-आपरेटिव सोसायटी एक्ट में संशोधन करेंगे। सोसायटी संचालक रिकार्ड की गड़बड़ी को छुपा नहीं पायेंगे। आडिट सभी हाउसिंग सोसायटियों को समय पर कराना जरूरी होगा।

मंत्री श्री सारंग ने अपेक्स बैंक कार्यालय में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की टेबिल पर पहुँच कर उनसे सीधे चर्चा कर बैंक की कार्य-संस्कृति को देखा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि अचानक, औचक निरीक्षण में उन्हें कार्यालय में साफ-सफाई, कर्मचारी-अधिकारी की मेज पर करीने से रखी फाइलें, पेपर आदि को रखा देख अच्छा लग रहा है। उन्होंने कार्मिक शाखा के सेक्शन ऑफीसर की अलमारी को खुलवाकर उसमें रखी फाईल और दस्तावेज देखे। मंत्री श्री सारंग ने फाइल ट्रेकिंग सिस्टम के फोल्डर को स्वयं देखा। फाइलों के समय पर मूवमेन्ट होने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। मंत्री श्री सारंग ने अलमारियों के अस्थायी पार्टीशन कर कार्यालय हाल में बनाये केबिन की व्यवस्था को सुधारने के निर्देश दिये। मंत्री श्री सारंग ने साफ-सफाई, कर्मचारी-अधिकारियों की मौजूदगी और स्मूथ वर्किंग को अनुकूल वर्क कल्चर का अनुसरण बताया।

तेंदू पत्ता संग्रहण दर में वृद्धि

भोपाल। प्रतिवर्ष की भाँति वर्ष 2017 में तेन्दूपत्ता संग्रहण का कार्य मई माह के प्रथम सप्ताह से प्रारम्भ हो रहा है। शासन द्वारा आमंत्रित निविदा में तेन्दूपत्ता प्राथमिक समितियों का संग्रहित होने वाला पत्ता अग्रिम निविदा में काफी ऊंची दरों पर विक्रय हो चुका है। जिससे तेन्दूपत्ता संग्राहकों एवं तेन्दूपत्ता संग्रहण कराने वाले फड़ मुंशियों को पिछले वर्ष की तुलना में काफी लाभ प्राप्त होने की संभावना है। तेन्दूपत्ता संग्रहण का भुगतान 1250 रूपये प्रति मानक बोरा की दर से किया जाएगा। वर्ष 2016 की तुलना में तेन्दूपत्ता सीजन 2017 की अग्रिम निविदा दरों में व्यापक वृद्धि होने से संग्राहकों को लगभग दो हजार रूपये प्रति मानक बोरा बोनस राशि प्राप्त होने की सम्भावना है। तेन्दूपत्ता सामुहिक सुरक्षा बीमा योजना का लाभ 18 से 60 वर्ष तक की आयु के संग्राहकों को मिलेगा। फड़ मुंशी के प्रति मानक बोरा कमीशन में भी व्यापक वृद्धि की गई है।

जिले में ग्राम चैनपुरी एवं हाथीपावा पहाड़ी पर हो रहे पर्यावरण संरक्षण कार्य की सराहना की

प्रभारी मंत्री श्री विश्वास सारंग ने ग्राम उदय से भारत उदय अभियान की समीक्षा की

झाबुआ। जिले के प्रभारी मंत्री श्री विश्वास सारंग ने कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में 10 मई को अप्रैल माह में चले ग्राम उदय से भारत उदय अभियान की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सक्सेना ने ग्राम उदय से भारत उदय अभियान की पूरी जानकारी दी। जिले में हुए उत्कृष्ट कार्यो की जानकारी दी एवं बताया कि जिले में वन विभाग के 10 तालाब स्वीकृत किये गये है। ग्राम चैनपुरी थांदला को आदर्श ग्राम बनाने के लिए बनाये गये तालाबो की जानकारी दी चैनपुरी की पहाडी पर विधायक थांदला द्वारा किये जा रहे वृक्षारापेण कार्य के प्रयासों एवं झाबुआ में हाथीपावा की पहाडी पर किये जा रहे कार्यो की जानकारी दी। तालाब निर्माण कार्य एवं वृक्षारोपण कार्य की प्रभारी मंत्री श्री सारंग ने सराहना की।

बैठक में गांवो को गरीबी मुक्त करने की जानकारी भी दी गई। अगले दो साल में जिले की चिन्हित 167 ग्राम पंचायतों को आदर्श ग्राम पंचायत के रूप में विकसित किया जाएगा एवं बीपीएल परिवारो को विभिन्न योजनाओं में लाभान्वित कर जिले की 167 ग्राम पंचायतों को गरीबी मुक्त बनाया जाएगा। बैंक सखी के रूप में कार्य कर रही बैंक सखी के कार्य एवं जिले की सभी आंगनवाडी के जियोटेग होने की जानकारी देते हुए कलेक्टर श्री आशीष सक्सेना ने बताया कि जिले के सभी बच्चों के वजन की ट्रेकिंग करने के लिए साफ्टवेयर बनाया गया है। साफ्वेयर के माध्यम से प्रतिमाह बच्चों के वजन की ट्रेकिंग होगी, कुपोषण की ओर अग्रसर होने वाले बच्चे की जानकारी संबंधित आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं सुपरवायजर को एसएमएस के माध्यम से दी जाएगी। योजना की प्रभारी मंत्री श्री सारंग ने मुक्त कण्ठ से सराहना की। बैठक में जिले के छात्रावासो के कायाकल्प एवं जी मेन्स में बच्चों की सफलता की जानकारी भी दी गई। जिले की जी मेन्स की सफलता के लिए प्रभारी मंत्री ने प्रशासनिक टीम को बधाई दी।

बैठक में कलेक्टर ने बताया कि ग्राम उदय अभियान के दौरान प्राप्त सभी आवेदनो को ऑनलाइन अपलोड कर दिया गया है और 30 मई को आवेदनो के निराकरण की स्थिति से अवगत करवाया जाएगा। बैठक में विधायक झाबुआ श्री शांतिलाल बिलवाल, विधायक थांदला श्री कलसिंह भाभर, पुलिस अधीक्षक श्री महेशचन्द्र जैन, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुराग चौधरी, डीएफओ श्री खरे, एडीएम श्री दिलीप कपसे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में प्रभारी मंत्री श्री सारंग ने जिले को वृद्धजन,दिव्यागंजन, पंचायत सशक्तिकरण एवं निर्वाचन के लिए किये गये उत्कृष्ट कार्यो के लिए शासन द्वारा प्रदान किये गये अवार्ड एवं शील्ड का अवलोकन कर प्रसन्नता जाहिर करते हुए सराहना की। बैठक में जिले में आयोजित स्वास्थ्य शिविर, किशोरी संसद, बाल विवाह रोकथाम एवं दहेज दापा प्रतिबंधित करने में सामाजिक प्रयासों की जानकारी भी दी गई, स्वास्थ्य शिविरों की समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री श्री सारंग ने बीमारी से पीडित महिलाओं का इलाज करवाने के निर्देश दिये एवं किशोरी बालिकाओं को पढाई तथा स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए जानकारी देने की बात कही।

आधार कार्ड पंजीयन केन्द्रों का औचक निरीक्षण करेंगे राजस्व अधिकारी

भोपाल। भारत वर्ष में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को डिजिटल पहचान देने हेतु आधार कार्ड उपलब्ध कराया जा रहा है। आधार कार्ड उपलब्ध कराने की प्रक्रिया प्राधिकरण द्वारा विभिन्न शासकीय एवं गैर शासकीय रजिस्ट्रारों के माध्यम से करायी जाती है। रजिस्ट्रार अपने से संबंधित एनरोलमेंट एजेन्सियों से यह कार्य करवाते है।

आधार कार्ड का पंजीकरण एवं उससे संबंधित अन्य क्रिया-कलापों को किये जाने हेतु प्राधिकरण द्वारा निर्धारित दरें जारी की गई हैं। आधार पंजीकरण नि:शुल्क होता है। बायोमेट्रिक अद्यतन के लिए निर्धारित आयु होने पर नि:शुल्क, स्थिति की जानकारी नि:शुल्क होती है। बायोमेट्रिक अपडेशन एवं डेमोग्राफिक अपडेशन के लिए 25-25 रूपये, आधार नम्बर पता करना एवं ई-आधार कलर प्रिन्ट के लिए 20 रूपये तथा ई-आधार ब्लेक एण्ड व्हाईट प्रिन्ट के लिए 10 रूपये की दर निर्धारित है।

शासन द्वारा अनेकों योजनाओं का क्रियान्वयन आधार कार्ड के माध्यम से पहचान सुनिश्चित कराते हुये किये जाने का निर्णय किया गया है। जिसके फ्लस्वरूप आधार कार्ड योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए पहचान का एक सशक्त माध्यम बन गया है एवं इसकी मांग में निरन्तर वृद्धि दर्ज की जा रही है। इस बढ़ती मांग के फ्लस्वरूप कतिपय एनरोलमेंट ऑपरेटरों द्वारा आधार से संबंधित कार्यो के लिए प्राधिकरण द्वारा निर्धारित धनराशि से ज्यादा राशि मांगे जाने की शिकायतें विभिन्न माध्यमों से प्राप्त हो रही हैं। जिस पर नियमानुसार एवं कानूनानुसार कार्यवाही की जा रही है। इस तरह की शिकायतों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए यह आवश्यक है कि राजस्व अधिकारियों द्वारा समय-समय पर अपने क्षेत्रान्तर्गत अवस्थित पंजीकरण केन्द्रों का औचक एवं गोपनीय निरीक्षण किया जायेगा।

मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के नवीन दिशा निर्देश

भोपाल। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्रों के द्वारा संचालित मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना एवं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2017-18से सभी प्रकार के वाहन जैसे बस ,मिनी बस, कार, टैक्सी कार, तिपहिया वाहन, ट्रेक्टर, ट्रक, गुड्स केरियर वाहन, जेसीबी, प्रोकलेन, हार्वेस्टर इत्यादि वाहनों को प्रतिबंधित किया गया है।

इस संबंध में पूर्व से ही प्रतिबंधित कार, टेक्सी कार को छोड़कर शेष अन्य वाहनों जिसमें वित्तीय वर्ष 2016.17 में वितरण हो चुका है,उन वाहनो पर मार्जिन मनी तथा ब्याज अनुदान की पात्रता होगी।

पी.जी.डी.सी.ए. मात्र 9100/-
डी.सी.ए. मात्र 8100/-
न्यूनतम योग्यता पी.जी.डी.सी.ए. स्नातक एवं डी.सी.ए.-बारहवीं (10+2)
मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा संचालित
सहकारी कम्प्यूटर एवं प्रबंध
प्रशिक्षण केन्द्र, भोपाल
(माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल से सम्बद्ध)
ई-8/77 शाहपुरा, त्रिलंगा, भोपाल (म.प्र.) पिनकोड-462 039
फोन.-0755 2725518, 2726160 फेक्स-0755 2726160
Email: rajyasanghbpl@yahoo.co.in,ccmtcbpl@rediffmail.com

ग्राम उदय से भारत उदय अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित

छतरपुर। सहकारिता विभाग के प्रमुख सचिव अजीत केसरी ने कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में ग्राम उदय से भारत उदय अभियान के दौरान आयोजित की गई विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की। इस अवसर पर कलेक्टर रमेश भण्डारी, अपर कलेक्टर डी.के. मौर्य, एसडीएम डी.पी द्विवेदी, रविन्द्र चौकसे, दिव्या अवस्थी सहित संबंधित विभागों के जिलाधिकारी उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक के प्रारंभ में पीएस श्री केसरी ने उपस्थित अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया एवं बारी-बारी से अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु अपनाये गये नवाचार एवं आगामी दिनों में आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ग्रामोदय अभियान के दौरान संचालित किये जा रहे कृषि महोत्सव के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। उप संचालक मनोज कश्यप ने कृषि क्रांति रथ, कृषि संसद तथा किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के बारे में अवगत कराया। सीएमएचओ डॉ. ए.के. तिवारी ने महिला स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन के बारे में बताया। उप संचालक पशु चिकित्सा डॉ. रावेन्द्र सिंह बघेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी भरत सिंह राजपूत, सहायक संचालक उद्यान श्री बघेल ने भी अभियान के दौरान आयोजित की गई विभागीय गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी।

पीएस श्री केसरी ने तेजस्विनी परियोजना द्वारा संचालित किये जा रहे कार्यक्रमों की सराहना की। बैठक प्रारंभ होने के पूर्व कलेक्टर रमेश भण्डारी ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से गत 14 अप्रैल से प्रारंभ हुये अभियान के तहत योजनाओं से लाभांवित हितग्राहियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा आगामी दिनों में आयोजित होने वाली गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

प्रमुख सचिव अजीत केसरी ने समीक्षा बैठक के पश्चात सहकारिता विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर गेहूं खरीदी, ऋण वसूली एवं सोसायटी के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि सोसायटी में अनियमितता करने वाले कर्मचारियों के विरूद्ध कार्यवाही करें। उन्होंने सोसायटी के ऋणी किसानों के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा कहा कि सहकारी बैंक एवं सोसायटी में नगदी की समस्या होने पर लीड बैंक से समन्वय स्थापित करें। उन्होंने कहा कि लोन खाता में एसएमएस अलर्ट की सुविधा एक्टीवेट करें तथा किसानों का रिकार्ड दुरूस्त रखें। इसके अतिरिक्त समय-समय पर आडिट करवाना भी सुनिश्चित किया जाये।

भूमि के क्षरण को रोकने के लिये जल स्त्रोतों के किनारे वृक्षारोपण की अपील

भोपाल। भूमि के क्षरण को रोकने के लिये आमजन अधिक से अधिक प्राकृतिक जलस्त्रोतों के किनारे वृक्षारोपण करें और वृक्षों को न तो स्वयं काटें और न ही अन्य को काटने दें। ईंधन के रूप में ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोत के रूप में गोबर गैस संयंत्र, सोलर कुकर, एलपीजी गैस आदि का ही उपयोग अधिक से अधिक आमजन करें। नदी में नहाने व कपड़े धोने में साबुन का उपयोग नहीं करें। नदी के जल को प्रदूषणमुक्त रखा जाये। इस आशय की अपील म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने की है। अपील में कहा गया है कि घरों में उत्पन्न होने वाले गीले अर्थात बायोडिग्रेडेबिल यथा- बची हुई खाद्य सामग्री, सब्जी व फलों के छिलके आदि व सूखे कचरे यथा- कागज, पैकिंग सामग्री आदि को पृथक-पृथक एकत्रित कर विधिवत नगरीय निकाय को डिस्पोजल करने में सहयोग प्रदान करें। पॉलीथीन कैरी बैग के स्थान पर कपड़े, जूट, कागज आदि की थैलियों का उपयोग किया जाये। म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने समस्त नागरिकों से अपील की है कि पर्यावरण के मुख्य घटक जल, थल, वायु, वनस्पती में प्राकृतिक संतुलन बनाने के लिये पर्यावरण को शुद्ध रखा जाये। इसके साथ ही 40 माइक्रोन से कम मोटाई की प्रतिबंधित पॉलीथीन थैलियों का उपयोग भी नहीं करें। प्लास्टिकयुक्त डिस्पोजेबल ग्लास, कटोरी के स्थान पर प्राकृतिक एवं इकोफ्रेंडली उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित कर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देकर पर्यावरण को और अधिक अच्छा बनाने में सहयोग करें, ताकि हमारी आगे आने वाली पीढ़ी को बेहतर पर्यावरण मिल सके। जल को शुद्ध रखकर प्रकृति के संतुलन को बनाने में हम सब अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। समस्त प्राकृतिक जलस्त्रोतों यथा- नदी, तालाब, कुंआ आदि को स्वच्छ रखना हम सबका कर्त्तव्य है।

माटीकला प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु आवेदन आमंत्रित

भोपाल। मध्य प्रदेश माटीकला बोर्ड के माध्यम से शासन द्वारा नर्मदा सेवा मिशन अंतर्गत मिट्टी से कुल्हड एवं प्लेट बनाने की आधुनिक छोटी-छोटी इकाईयॉ स्थापित करने एवं मिट्टी से मूर्ति बनाने के लिए प्रशिक्षण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है । जिले के उद्यमियों को मिट्टी के कुल्हड़, प्लेट एवं मूर्तियॉ बनाने का प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। प्रशिक्षण अवधि 15 दिवस की होगी एवं प्रशिक्षण पूर्णत: नि:शुल्क है। माटीकला बोर्ड की कौशल उन्नयन विकास कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण ब्ल्यू पाटरी जयपुर अथवा सेरिमिक प्रशिक्षण केन्द्रीय ग्लास एवं सेरिमिक केन्द्र खुर्जा जिला बुलंदशहर में प्रदान किया जायेगा।

सहकारी आंदोलन को गति देने में जिला सहकारी संघ की भूमिका महत्वपूर्ण

वार्षिक कैलेण्डर का विमोचन करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा

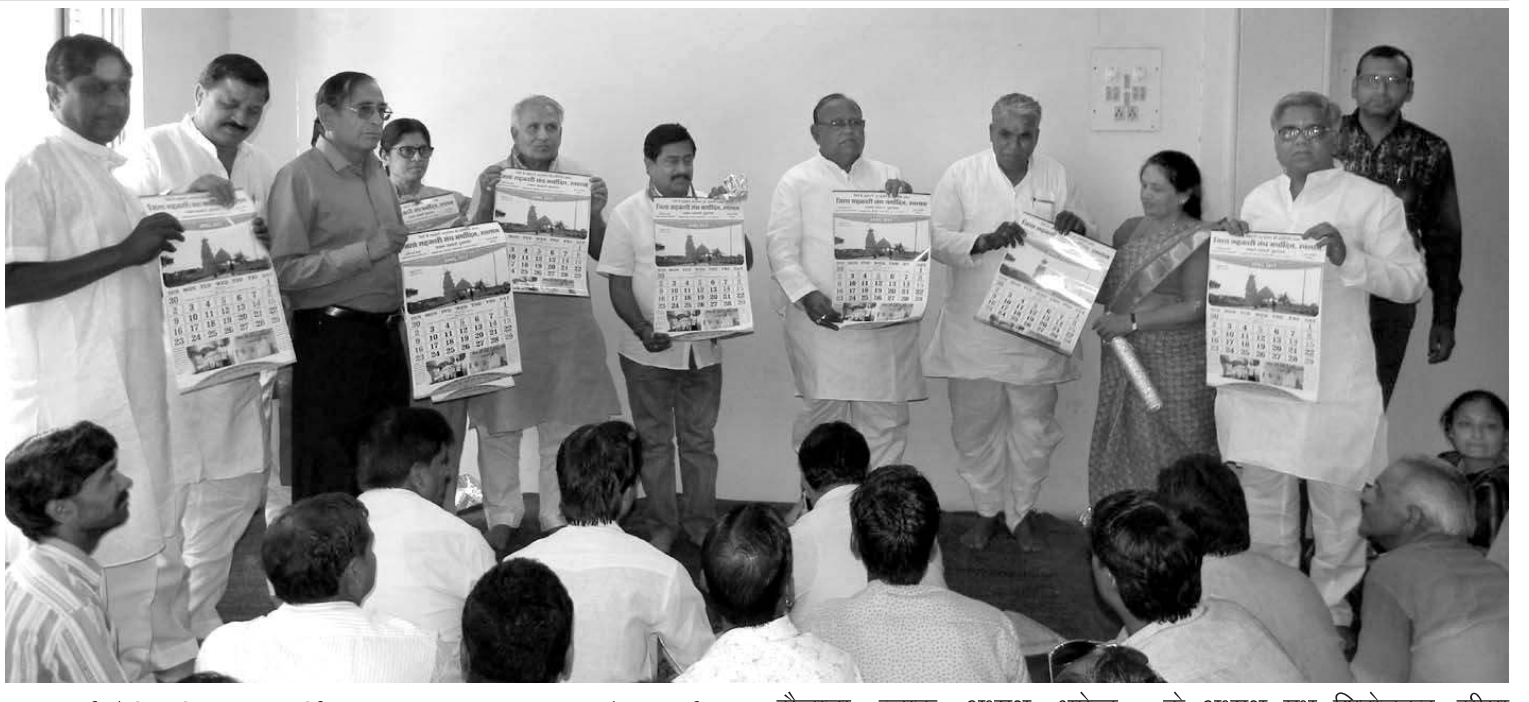

रतलाम। जिले के प्रभारी मंत्री श्री दीपक जोशी ने जिला सहकारी संघ की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि सहकारी आंदोलन को गति देने में जिला सहकारी संघ की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। सहकारिता के प्रचार-प्रसार व सहकारी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण में यह संस्था अधिक गतिशील बनेगी ऐसा मेरा विश्वास है।

श्री जोशी ने यह बात जिला सहकारी संघ के वार्षिक कैलेण्डर का विमोचन करते हुए कही। पूर्व सहकारिता मंत्री एवं राज्य योजना आयोग के अध्यक्ष श्री हिम्मत कोठारी ने कहा कि सहकारिता जन-जन का आंदोलन बने यह आज की आवश्यकता है। उन्होंने कैलेण्डर प्रकाशन पर अपनी शुभकामनाएं दी।

जिला सहकारी संघ के अध्यक्ष श्री शरद जोशी ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रतिवर्ष अप्रेल में यह कैलेण्डर प्रकाशित किया जाता है, जिसमें जिले की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों का समावेश होता है, ताकि यह जन-जन के लिए उपयोगी बन सके। इस अवसर पर महापौर डा. सुनीता यार्दे, भाजपा जिलाध्यक्ष बजरंग पुरोहित, विधायक मथुरालाल डामर, विधायक संगीता चारेल, जिला पंचायत अध्यक्ष परमेश मईडा, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष अशोक चौटाला, पूर्व उपाध्यक्ष बाबूलाल कर्णधार, जिला उपाध्यक्ष मनोहर पोरवाल, अशोक जैन लाला, विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष विष्णू त्रिपाठी, भाजयुमो जिलाध्यक्ष बलवंत भाटी, सैलाना ब्लाक अध्यक्ष भूपेन्द्र जायसवाल, जिला कार्यकर्ता मंत्री राकेश मिश्रा और निगम के पूर्व प्रतिपक्ष नेता रामप्रसाद परिहार, जिला सहकारी बैंक के संचालक राजेन्द्रसिंह लूनेरा, पार्षद मंगल लोढ़ा, सोनू सिंह, अनिता कटारा, एल्डरमेन प्रभु नेका, चंदा सोनी, गोपाल शर्मा, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मधु शिरोड़कर, सीमा अग्रवाल, रत्ना पाल, सहित मंडल अध्यक्ष रमेश बदलानी, संतोष पोरवाल, जयवंत कोठारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। संचालन भाजपा जिला महामंत्री प्रदीप उपाध्याय तथा आभार जिला सहकारी संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिरूद्ध शर्मा ने माना।

किसानों की आमदनी दोगुनी करना तथा गरीबों की किस्मत बदलना है

● बेटी बचायें, बेटियों को आने दें, बेटी नहीं होगी तो दुनिया नहीं चलेगी ● बुन्देलखण्ड सृजन-2017 में मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि टीकमगढ़ में अगले साल बानसुजारा बाँध परियोजना से जिले के दो लाख एकड़ क्षेत्र में फसलों की सिंचाई होगी। इसके बाद कृषि क्षेत्र में टीकमगढ़ का नाम पंजाब और हरियाणा से भी आगे निकल जायेगा। उन्होंने कहा कि टीकमगढ़ जिले के किसानों की आमदनी दोगुनी करना है तथा गाँवों की किस्मत बदलना है। श्री चौहान टीकमगढ़ में बुन्देलखण्ड सृजन-2017 के तहत राष्ट्रीय कृषि प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी और किसान मेले का समापन समारोह कर रहे थे।

श्री चौहान ने कहा कि खेती को लाभ का धंधा बनाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिये किसानों को बिना ब्याज के कर्ज दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि सभी किसान भाई स्वाइल हेल्थ-कार्ड बनवायें जिससे खेत में कितनी मात्रा में खाद डालना है, कौन सा बीज कितनी मात्रा में बोना है, इसकी पूरी जानकारी हो। उन्होंने कहा कि जिले में सिंचाई के लिये चंदेल कालीन तालाबों को फिर से भरने का काम करेंगे। हर गाँव में पानी के संचय के लिये एक जल-संरचना बनाई जायेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमने टीकमगढ़ जिले में पिछले वर्ष सूखा राहत में 600 करोड़ से ज्यादा राशि का वितरण किया था। उन्होंने कहा कि हमने जिले के 16000 लोगों के खाते में प्रधानमंत्री आवास के लिये एक लाख बीस हजार रूपये की राशि जमा की है। इस योजना में जो हितग्राही अपना मकान खुद बनायेगा उसे मकान के साथ मनरेगा की मजदूरी भी दी जायेगी।

श्री चौहान ने कहा कि टीकमगढ़ जिले के निवाड़ी एवं पृथ्वीपुर क्षेत्र में पेयजल सप्लाई हेतु पारीछा बाँध पर 69 लाख 93 हजार रूपये की योजना बनाई गई है। रुपये 194 करोड़ की लागत से भीतरी उदवहन योजना द्वारा बेतवा का पानी खींचकर सिंचाई करने की योजना संचालित है। टीकमगढ़ एवं बलदेवगढ़ ब्लॉक में 974 करोड़ की सिंचाई एवं पीने के पानी की योजना बनाई गई है।

जिले को मिली अनेक सौगातें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बलदेवगढ़ में अगले वर्ष से शासकीय महाविद्यालय प्रारंभ करने, टीकमगढ़ जिले में एक 50 बिस्तरों वाला आयुष अस्पताल प्रारंभ करने, जिले में भेड़ फार्म वनाये जाने और नजरबाग प्रांगण में लगने वाले शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का नया भवन शीघ्र स्वीकृत करने की बात कही।

प्रारंभ में 200 करोड़ की राशि के कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया।

प्रदेश में 32 हजार 272 क्विंटल से ज्यादा महुआ फूल खरीदी

संग्राहकों को 9 करोड़ से अधिक का भुगतान

भोपाल। लघु वनोपज संघ ने प्रदेश में अब तक 32 हजार 272 क्विंटल महुआ फूल की खरीदी कर संग्राहकों को 9 करोड़ 68 लाख 17 हजार 380 रुपये का भुगतान किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा महुआ फूल एवं गुल्ली संग्रहण का समर्थन मूल्य दोगुना से अधिक करने की घोषणा के बाद से काफी संख्या में संग्राहक संग्रहण केन्द्र पहुँच रहे हैं। संघ के अध्यक्ष श्री महेश कोरी ने बताया कि 60 जिला लघु वनोपज यूनियन के माध्यम से 1189 महुआ संग्रहण केन्द्र बनाये जाकर खरीदी निरंतर जारी है। सबसे ज्यादा संग्रहण शहडोल और उमरिया जिला वनोपज यूनियन ने किया है।

तेंदूपत्ता तुड़ाई 31 मई तक 1 लाख 72 हजार से ज्यादा मानक बोरा संग्रहीत

श्री महेश कोरी ने बताया कि प्रदेश के अधिकांश जिलों में तेंदूपत्ता तोड़ने का काम भी जारी है, जो 31 मई तक चलेगा। अब तक एक लाख 72 हजार 110 मानक बोरा तेंदूपत्ता तोड़ा जा चुका है। इस वर्ष प्रदेश में 22 लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित है। इस वर्ष बंपर तेंदूपत्ता उत्पादन होने तथा अग्रिम निविदा में रिकार्ड विक्रय मूल्य प्राप्त होने से लगभग 33 लाख संग्राहक को संग्रहण पारिश्रमिक एवं लाभांश के रूप में काफी लाभ होने की उम्मीद है। लघु वनोपज संघ ने संग्राहकों से अपील की है कि वे बिचौलियों के बहकावे में न आयें। निर्धारित खरीदी केन्द्र पर पहुँचकर ही वनोपज का उचित विक्रय मूल्य प्राप्त करें।

कृषकों को सलाह

भोपाल। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जिले के कृषकों को गहरी जुताई और खरपतवार नियंत्रण की सलाह दी गई है। कृषक इस सलाह का उपयोग कर अपनी फसल की उत्पादकता में वृद्धि कर आर्थिक लाभ लेने के साथ ही हलधर योजना के अंतर्गत अनुदान भी ले सकते है। गहरी जुताई कृषि उत्पादन की वृद्धि के दृष्टिकोण से अति महत्वपूर्ण है। गहरी जुताई से भूमि के नीचे जाने वाले पोषक तत्व ऊपर की ओर आ जाते है जिससे भू-उर्वरता में सुधार होता है। साथ ही खरपतवार नियंत्रण के अलावा कीड़ो के अंडे, शंखी आदि ऊपर आकर नष्ट हो जाते है तथा रोगों के प्रसारक फफूंद भी नष्ट होने से आगामी फसल स्वस्थ रहती है। सतह के फसल अवशेष आदि नीचे जाकर वर्षाकाल में सड़कर उर्वरता में वृद्धि करते है।

समय के साथ कृषि भूमि में 2-3 इंच के नीचे काफी कड़क सतह निर्मित होती है जिससे वर्षा जल जमीन के अंदर नही जा पाता है। गहरी जुताई करने से भूमि की जलधारण क्षमता में सुधार होता है और वर्षा का अधिकतम जल जमीन के अंदर रहता है एवं जमीन की भौतिक दशा सुधरती है जिससे उत्पादकता में वृद्धि होती है।

ई-रिक्शा परिवहन समितियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जबलपुर। सहकारिता विभाग के तहत पंजीकृत सहकारी समितियों की समीक्षा बैठक गत दिवस कलेक्टर महेश चन्द्र चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सहकारिता विभाग, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे ।

कलेक्टर श्री महेश चन्द्र चौधरी द्वारा समितियों की बैठक में कहा गया कि ई-रिक्शा बैटरियों को रिचार्ज करने के लिए नगर निगम के सहयोग से शहर के प्रमुख स्थानों पर रिचार्ज सेन्टर बनाये जायें। बैठक में ई-रिक्शा के स्वीकृत 25 प्रकरणों में से शेष 15 प्रकरणों में ऋण सुविधा शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए । संस्था के अन्य सदस्यों को भी ऋण प्रकरण स्वीकृत कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि 21 सदस्यों से प्रारंभ की गई समिति में अब 59 सदस्य हैं तथा 10 सदस्यों को ई-रिक्शा प्रदाय किए गए हैं। सहकारिता विभाग के उपायुक्त ने बताया कि ई-रिक्शा औसत रूप से प्रतिदिन 500 रूपये तक की आय हो रही है, जिसमें 100 रूपये प्रतिदिन बैंक की किश्त एवं 140 रूपये बचत के रूप में हितग्राही सदस्यों द्वारा संस्था में जमा किया जा रहा है । बैक में संबंधित विभागीय अधिकारियों को समन्वय बनाकर हाथ-रिक्शा के स्थान पर ई-रिक्शा को जबलपुर शहर के प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयत्न करते रहने के निर्देश दिए गए। जिससे जबलपुर को हाथ-रिक्शा मुक्त किया जा सके। बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा भी ई-रिक्शा से संबंधित जानकारी दी गई ।

पीडीएस कार्डधारियों हेतु पचास हजार रूपए तक का ऋण

भोपाल। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के पीडीएस कार्डधारी हितग्राहियों को बैंकों के माध्यम से ऋण प्रदान करने हेतु मुख्यमंत्री आर्थिक कल्याण योजना प्रारंभ की गई है उक्त योजना जिले में भी प्रभावशील है।

मुख्यमंत्री आर्थिक कल्याण योजनातंर्गत पूर्व उल्लेखित वर्ग के पीडीएस कार्डधारी हितग्राहियों को पचास हजार रूपए तक का ऋण स्वीकृत किया जा सकेगा। परियोजना लागत का पचास प्रतिशत अधिकतम 15 हजार रूपए अनुदान राशि हितग्राही को प्रदाय की जाएगी। तत्संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अल्पसंख्यक कल्याण शाखा से कार्यालयीन दिवसों में सम्पर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

खेती को लाभ का धंधा बनाने के निरंतर प्रयास जारी

भिण्ड जिले के ग्राम टीकरी में स्वागत समारोह में मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश सरकार खेती को लाभ का धंधा बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। किसानों को मृदा हेल्थ-कार्ड उपलब्ध करवाए गए हैं, जिससे किसान अपनी भूमि का परीक्षण करवाकर फसलों का उत्पादन बढ़ाने में कामयाब होंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान भिण्ड जिले के भिण्ड विकासखण्ड के ग्राम टीकरी में स्वागत समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि विकास को गति देने की दिशा में हर संभव प्रयास किए जायेंगे। टीकरी क्षेत्र के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गरीबों के उत्थान के लिये निरंतर प्रयास कर रही है। गरीबों को मकान और भूमि के लिए भू-खण्ड प्रदान करने की कार्यवाही जारी है। उन्होंने कहा कि चंबल क्षेत्र के बीहड़ों को विकसित करने की दिशा में चंबल एक्सप्रेस-वे बनाने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। बीहड़ क्षेत्र में फोर लेन बनाने की दिशा में सभी प्रकार के उपाय सुनिश्चित किए गए हैं।

पूर्व विधायक श्री अरविन्द सिंह भदौरिया ने ग्राम टीकरी के ग्रामीणों की माँगें मुख्यमंत्री श्री चौहान के समक्ष रखी। मुख्यमंत्री ने सभी मांगों को स्वीकृति प्रदान की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्राम टीकरी से ऐतहार तक सड़क बनाने की घोषणा की। प्राथमिक विद्यालय को माध्यमिक विद्यालय में उन्नयन करने की भी स्वीकृति दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्रामीणों की माँग पर टीकरी क्षेत्र के विकास के लिये सभी सुविधाएँ मुहैया करवाने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने समारोह में ग्रामीणों की समस्याएँ सुनकर उनके निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लालसिंह आर्य, बीज निगम के उपाध्यक्ष श्री मुन्नासिंह भदौरिया, सांसद डॉ.भागीरथ प्रसाद, पाल महासभा के अध्यक्ष श्री शैतान सिंह पाल, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री के.पी.सिंह भदौरिया सहित अन्य जन-प्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान को मत्स्य महासंघ द्वारा 4 करोड़ 41 लाख का रायल्टी चेक भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को यहाँ मंत्रालय में वित्तीय वर्ष 2016-17 के मत्स्योत्पादन पर मत्स्य महासंघ द्वारा 4 करोड़ 41 लाख रूपये की रॉयल्टी का चेक भेंट किया गया। इस अवसर पर मत्स्य-पालन मंत्री श्री अंतर सिंह आर्य एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि मत्स्य महासंघ को हस्तांतरित जलाशयों में मत्स्याखेट की रायल्टी की दरों का पुनर्निर्धारण कर मत्स्य निकासी पर रूपये 5.00 प्रतिकिलो (रॉयल्टी) निर्धारित की गई है। निर्धारित दर के अनुसार वित्त वर्ष 2016-17 में महासंघ के जलाशयों से हुए मत्स्योत्पादन पर रूपये 4 करोड़ 41 लाख रायल्टी का भुगतान राज्य शासन को किया गया।

कृषि मेले में मुख्यमंत्री ने जिले के 12 कृषकों को सम्मानित किया

कृषकों की उपलब्धि पर मुख्यमंत्री ने दी बधाई

टीकमगढ़। नजरबाग प्रांगण में राष्ट्रीय कृषि प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी तथा किसान मेला के तहत गत दिवस कृषि मेले का आयोजन किया गया। इसमें 7 मई 2017 को प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुये। इस अवसर पर उन्होंने जिले के 12 कृषकों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कृषकों की इस उपलब्धि के लिये संबंधित कृषकों एवं कृषि वैज्ञानिकों को बधाई दी हैं। उन्होंने कहा कि इन कृषकों में न सिर्फ जिले का बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि इससे पूरा प्रदेश गौरवान्वित हुआ है।

ज्ञातव्य है कि विगत दिनों बिहार के चंपारन जिले में पौधा किस्म और कृषक अधिकार अधिनियम के तहत जिले के 12 कृषक सम्मानित हुए थे। इसके तहत कृषकों को एक लाख रूपये नकद, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह् से सम्मानित किया गया था। इस अवसर पर टीकमगढ़ जिले के सर्वाधिक 12 कृषक सम्मानित हुये थे। कार्यक्रम में टीकमगढ़ जिले के श्रीमती कुसुम वाई, श्रीमती रामा वाई, श्रीमती बैनी वाई, श्री प्यारे लाल, श्री अमरचंद प्रजापति, श्री स्वामी प्रसाद पाल,श्री लखन लाल अहिरवार, श्री रघुवर सौंर, श्री पम्मा कुशवाहा, श्री भागीरथ यादव, श्री द्वारिका प्रसाद विश्वकर्मा तथा श्री मथुरा प्रसाद कुशवाहा को सम्मानित किया गया था। इन सभी कृषकों को मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रशस्ति पत्र देकर पुन: सम्मानित किया।

विगत दिनों बिहार के चंपारन जिले में आयोजित सम्मान समारोह में सभी राज्यों से चयनित कृषकों को सम्मानित किया गया था। इनमें से मध्यप्रदेश के 18, आंध्रप्रदेश के 3, तमिलनाडू के 3, छत्तीसगढ़ के 2, उड़ीसा का एक एवं अन्य राज्यों के कृषक शामिल थे। इन कृषकों ने लघु धान्य फसलों का उत्पादन कर यह सम्मान प्राप्त किया है। ज्ञातव्य है कि लघु धान्य फसलें जैसे कोदों, कुटकी, समा आदि मोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये शासन किसानों को प्रोत्साहित कर रही है।

बुन्देलखण्ड का हर खेत होगा सिंचित

बीना नदी परियोजना को मिलेगी मंजूरी - जनसम्पर्क मंत्री डॉ. मिश्र

भोपाल। मध्यप्रदेश कृषि के मामले में नम्बर एक राज्य है। लगातार पाँच बार मध्यप्रदेश को कृषि कर्मण पुरस्कार प्राप्त हुआ है। अब मध्यप्रदेश सिंचाई के क्षेत्र में भी नम्बर एक राज्य बन जायेगा। यह बात केन्द्रीय जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्री सुश्री उमा भारती ने मालथौन विकासखण्ड के ग्राम बांदरी में आयोजित बुंदेलखण्ड जल संरक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कही। इस अवसर पर उत्तरप्रदेश के ग्राम एवं सेवा आयोग मंत्री श्री मनोहर लाल मन्नू कोरी उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री सुश्री भारती ने कहा कि बुंदेलखण्ड में सिंचाई योजनाओं के विस्तार में कोई कमी नहीं छोड़ी जायेगी। बुंदेलखण्ड के हर खेत में सिंचाई की सुविधाएँ उपलब्ध कराई जायेंगी। उन्होंने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना की शुरूआत जल्द की जायेगी। इस परियोजना से 6 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी जिस पर 18हजार करोड़ रु. खर्च होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी **सबका साथ-सबका विकास** की अवधारणा पर कार्य कर रहे हैं और विकास में आम जनता का सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि गंगा नदी को आगामी 7 वर्ष में साफ एवं स्वच्छ बना दिया जायेगा।

उत्तरप्रदेश सरकार के सिंचाई मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि भौगौलिक स्थिति के हिसाब से बुंदेलखण्ड के जिलों में बाढ़ एवं सूखा से बचने के लिए संतुलन बनाये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सिंचाई परियोजनाओं के विस्तार से बुंदेलखण्ड में समृद्धि आयेगी।

प्रदेश के जल संसाधन एवं जनसम्पर्क मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने कहा कि 75 फीसदी आबादी किसानों की है। किसानों के दिन बदलने से ही देश का विकास संभव है।

इस दिशा में केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सिंचाई का रकबा 7 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 40 लाख हेक्टेयर हो गया है। आगामी दो-तीन सालों में यह 60 लाख हेक्टेयर हो जायेगा। उन्होंने कहा कि बीना नदी परियोजना को अगली केबिनेट बैठक में मंजूरी दे दी जायेगी। आगामी वर्षो में बुंदेलखण्ड में सर्वाधिक भूमि सिंचित होगी।

गृह एवं परिवहन मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि वर्तमान में बुंदेलखण्ड में डेढ़ लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो रही है। सरकार की नदी जोड़ो योजना सिंचाई के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हो रही है। उन्होंने मालथौन ब्लॉक में विभिन्न जलाशय का निर्माण कराये जाने की माँग रखी। केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री सुश्री उमा भारती ने केन्द्रीय भूमि जल आयोग द्वारा तैयार स्मारिका का भी विमोचन किया।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत 10 लाख से एक करोड़ तक ऋण

रायसेन। आदिम जाति कल्याण विभाग मध्यप्रदेश के तहत आदिवासी वित्त एवं विकास निगम रायसेन द्वारा अनुसूचित जनजाति के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत बैंको के माध्यम से 10 लाख से एक करोड़ तक ऋण प्रदान किए जाएंगे। इस योजना के अन्तर्गत आवेदक को मार्जिन मनी परियोजना के पूंजीगत लागत का 15 प्रतिशत अधिकतम 12 लाख की सहायता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत केवल नवीन उद्यमों की स्थापना हेतु देय होगा । इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक के पास अनुसूचित जनजाति वर्ग का जाति प्रमाण पत्र हो, आधार कार्ड हो, रायसेन जिले का मूल निवासी हो, राशनकार्ड धारक हो, विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (प्रोजेक्ट रिर्पोट) सी.ए. द्वारा जारी हो, संबंधित परियोजना का कोटेशन हो, सामग्र आईडी हो, आयु 18से 40 वर्ष के मध्य हो, शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 10वी कक्षा उत्तीर्ण हो तथा बैंक से डिफाल्टर न होने का शपथ पत्र होना चाहिए। आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 मई 2017 निर्धारित की गई है। इस योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कलेक्टर कार्यालय रायसेन के आदिम जाति कल्याण विभाग रायसेन के कक्ष क्रमांक-57 से प्राप्त की जा सकती है।

उद्यानिकी विभाग की सरकारी नर्सरियों का सुदृढ़ीकरण

भोपाल। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग द्वारा प्रदेश में 51 जिले में 307 नर्सरी संचालित की जा रही हैं। विभाग ने इनके उन्नयन की कार्य-योजना तैयार की है। विभाग ने वर्ष 2018 तक 100 नर्सरी के उन्नयन का कार्यक्रम तैयार किया है। नर्सरियों के उन्नयन में कार्यरत कर्मचारियों के प्रशिक्षण को भी शामिल किया गया है।

किसानो को कृषि संसद में सिखाया गया खेती को लाभ का धन्धा बनाना

झाबुआ। ग्राम उदय से भारत उदय अभियान अन्तर्गत 2 मई तक कृषि महोत्सव के माध्यम से 5 वर्ष में किसानों की आय दुगुनी करने के लिए शासकीय अमला जोर सोर से लगा हुआ है। जिले में कृषि क्रान्ति रथ, कृषि वैज्ञानिकों एवं तकनीकी दल के साथ भ्रमण कर किसानों के बीच में गांव गांव जा कर खेती किसानी की उन्नत तकनीकियों, हितग्राही मूलक योजनाओं का प्रचार प्रसार एवं मार्ग दर्षन प्रदाय किया गया। साथ साथ कृषकों को कृषि उन्नत तकनीक से संबधित पेम्पलेट, साहित्य भी उपलब्ध कराया गया।

रथ भ्रमण/कृषि संसद ग्राम सभा के दौरान शासन की विभिन्न योजनाओ जैसे- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मृदा स्वस्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई आदि योजनाओं की जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का प्रचार-प्रसार किया गया। पॉच वर्ष में किसानों की आय दुगुनी करने के रोड़मेप पर किसानों से चर्चा, कृषि उत्पाद के खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन तथा कृषि उत्पाद के समुचित वितरण के लिए जानकारी प्रदाय की गई। ग्रीष्म कालीन गहरी जुताई से होने वाले लाभ, नवीन वैज्ञानिक पद्धतियों पर प्रचार-प्रसार, फसल चक्र एवं अन्तर्वित फसल उत्पादन के बारे में तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया। किसानो से नरवाई कतई न जलाने की अपील करते हुए नरवाई से जीवांस खाद, पशुओं के लिए भूसा आदि बनाना कर उचित प्रबंधन करने की सलाह दी गई। खेती से आय में वृद्धि करने के लिए कृषको को फसलोत्पादन के साथ साथ उद्यानकी खेती, उन्नत नस्ल का पशुपालन एवं मछलीपालन करने की सलाह दी गई। कम पानी से अधिक क्षेत्र में सिंचाई करने एवं सिंचाई की दक्षता को बढ़ाने के लिए सूक्ष्म सिंचाई पद्धति जैसे-बूंद बूंद एवं बौछारी सिंचाई पद्धति का उपयोग करने की सलाह दी गई।

किसान खेती में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल जरूर करें

मुख्यमंत्री श्री चौहान विदिशा जिले की ग्राम पंचायत इमलिया में कृषि संगोष्ठी में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि खेती को मुनाफे का धंधा बनाने के लिये किसानों को आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल जरूर करना चाहिये। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी फसलें किसानों के मुनाफे को बढ़ाने में ज्यादा कारगर हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान विदिशा जिले की इमलिया ग्राम पंचायत में कृषि संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री कृषि ग्राम संसद में भी शामिल हुए। इस मौके पर उद्यानिकी राज्य मंत्री श्री सूर्यप्रकाश मीणा और विधायक श्री कल्याण सिंह ठाकुर भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संगोष्ठी में कहा कि किसान भाई अपने खेतों की मिट्टी का परीक्षण अनिवार्य रूप से करवायें। राज्य सरकार द्वारा किसानों को निःशुल्क स्वाइल हेल्थ-कार्ड बनाकर दिये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वाइल हेल्थ-कार्ड से किसानों को अपने खेतों की मिट्टी में कौन-सी खाद कितनी मात्रा में डालनी है, की जानकारी मिलती है। उन्होंने किसानों से नरवाई में आग न लगाने की बात कही। श्री चौहान ने कहा कि नरवाई जलाने से खेती के जैविक मित्र नष्ट हो जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसानों को अनुदान पर रोटावेटर उपलब्ध करवाये जा रहे हैं, जिसका उपयोग भूसा बनाने के लिये किया जाता है।

ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किये जाने की चर्चा करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के अधिक से अधिक स्व-सहायता समूह बनाये जायें। गठित स्व-सहायता समूह को राज्य सरकार की ओर से हर संभव मदद दी जायेगी। उन्होंने कहा कि इमलिया ग्राम पंचायत को आदर्श ग्राम पंचायत बनाया जाना चाहिये। गाँव को जन-भागीदारी से नशामुक्त किया जाये। उन्होंने इमलिया ग्राम में नल-जल योजना तथा इसी सत्र से हाई स्कूल संचालित किये जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने ग्राम सोंठिया के किसान श्री प्रहलाद सिंह को ट्रेक्टर की चाबी एवं 10 चयनित किसान को किट प्रदाय किये।

नरसिंहपुर जिले के ग्राम करताज ने किया कृषि आय दोगुना करने का नवाचार

कृषि उत्पादन आयुक्त ने की सराहना

भोपाल। राज्य सरकार की मंशानुसार किसानों की आमदनी को 5 वर्ष में दोगुनी करने की अवधारणा को नरसिंहपुर जिले के ग्राम करताज और उससे लगे हुए अन्य गाँव सिंहपुर, लोकीपार, जल्लापुरा और जोबा के लगभग 33 युवा किसान ने पूरा किया है। इन किसानों ने समूह बनाकर 150 एकड़ में मुनगा (ड्रमस्टिक) की खेती ड्रिप विधि से प्रारंभ की है। किसानों ने लाइन से लाइन 10 फीट और पौधे से पौधे की 5 फीट की दूरी पर ड्रिप विधि द्वारा मुनगा लगाये हैं। इन किसानों ने साथ ही बीच-बीच में हल्दी की दो लाइन अंतर्वतीय फसल के रूप में ली है। इन किसानों को खेती की उन्नत तकनीक अपनाने से 80 क्विंटल प्रति एकड़ हल्दी प्राप्त हुई है। इससे किसानों को एक लाख रुपये तक की अतिरिक्त आय प्राप्त हुई है।

करताज ग्राम में ही 100 एकड़ कृषि भूमि पर मुनगे की उन्नत विधि से खेती की जा रही है। मुनगा मुख्य रूप से उद्यानिकी फसल है, जिसका फल-फूल और पत्तियाँ उपयोग में आती हैं। मुनगा 150 से 200 क्विंटल प्रति एकड़ में खेती की जमीन पर प्राप्त होता है। इस प्रकार किसान को ढाई लाख से तीन लाख रुपये तक का शुद्ध मुनाफा होता है। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री पी.सी. मीना ने पिछले दिनों **ग्रामोदय से भारत उदय** अभियान में नरसिंहपुर जिले में किसानों के खेतों में पहुँचकर फसलों का अवलोकन पर किसानों के इस नवाचार की प्रशंसा की। उन्होंने किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिये उद्यानिकी फसल और पशुपालन को अनिवार्य बताया।

कृषि उत्पादन आयुक्त श्री पी.सी. मीना ने मुनगा उत्पादक कृषक समूह का कृषि विभाग की आत्मा योजना में पंजीयन करवाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि उन्नतशील किसानों को मधुमक्खी-पालन के लिये किट उपलब्ध करवाये जाये। इससे किसानों की आमदनी शहद के जरिये 25 प्रतिशत तक बढ़ जायेगी।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने **ग्रामोदय से भारत उदय** अभियान में क्षेत्रीय विधायक श्री जालम सिंह पटेल, कलेक्टर नरसिंहपुर डॉ. आर.आर. भोंसले, सीईओ जिला पंचायत सुश्री प्रतिभा पाल एवं विभागीय अधिकारियों के साथ इन गाँव का दौरा किया था।

जीवन में हास्य बहुत जरूरी

सहकारिता राज्य मंत्री श्री सारंग ने हरी-झण्डी दिखाकर हास्य रैली को रवाना किया

भोपाल। सहकारिता, भोपाल गैस त्रासदी, राहत एवं पुनर्वास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री विश्वास सारंग ने बोर्ड ऑफिस चौराहे से हास्य रैली को हरी-झण्डी दिखाकर रवाना किया। रैली 7 मई **हास्य दिवस** के मौके पर की गयी थी। मंत्री श्री सारंग स्वयं भी रैली का हिस्सा बने और उन्होंने खूब ठहाके भी लगाये। रैली में स्थानीय जन-प्रतिनिधि, योग केन्द्र के संचालक और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। राज्य मंत्री श्री सारंग ने कहा कि हास्य जीवन में बहुत जरूरी है। शरीर को स्वस्थ रखने और सकारात्मक विचारों के निर्माण के लिये मन का प्रसन्न रहना जरूरी है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने व्यक्तित्व और समाज के विकास में आनंद की अवधारणा के योगदान को समझा है। इसीलिये उन्होंने देश में सबसे पहले आनंद से जुड़ी गतिविधियों के व्यवस्थित संचालित करने के लिये प्रदेश में आनंद विभाग की स्थापना की। श्री सारंग ने कहा कि योग पंडितों ने हास्य को योग क्रिया के रूप में बढ़ावा दिया है। उन्होंने हास्य दिवस पर रैली में विभिन्न योग केन्द्र की भूमिका को सराहनीय बताया। अध्यक्ष हास्य योग केन्द्र ने हँसी के संबंध में जानकारी दी कि यह ऐसी क्रिया है, जो मनुष्य को धर्म, जाति, छोटा-बड़ा आदि बँधनों से ऊपर उठकर सबको एक साथ मिलाती है। जन्म से लेकर मृत्यु तक एक ही भाषा, व्यवहार को प्रकट करती है। यह केवल प्यार, भाईचारा, दोस्ती, अमन और आनंद का संदेश देती है। हास्य क्लब नागरिकों में प्रसन्न और आनंदित रहने की आदत बनाये रखने के लिये गठित किये गये हैं। इसी क्रम में रैली की गई है।

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक दिनेशचंद्र शर्मा द्वारा सांध्य प्रकाश लि.'सांध्यप्रकाश भवन' मालवीय नगर, भोपाल से मुद्रित एवं ई-8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : दिनेशचंद्र शर्मा
डाक पंजीयन क्रमांक - म.प्र./भोपाल/357/2015-17 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2725518, फैक्स : 0755-2726160 इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।